आओ चलें सम्पूरणता की और .....

09 / 11 / 14 की मुरली से

- स्वमान :-

√ मैं सदा समर्थ आत्मा हूँ ।

- गुण / धारणा / अभ्यास पर अटेंशन :-

√ एकाग्रता

- बाबा से सम्बन्ध का अनुभव :-

√ सतगुरु

- मनन चिंतन :-

√ मन बुद्धि की एकाग्रता का सर्व सिद्धियाँ प्राप्त करने में क्या योगदान होता है?

@ शिवभगवानुवाच :-

→_→ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

- होमवर्क :-

- Total Marks :- 50 -

- पॉइंट 1 To 7 के 5 मार्क्स हैं -

- पॉइंट 8 के 15 मार्क्स हैं -

(1) "विजय हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है" - यह स्मृति रही ?

(2) बीती सो बीती कर व्यर्थ का खाता समाप्त किया ?

(3) किसी की कमजोरी व अवगुण देखने का नेत्र बंद रहा ?

(4) जादू मंत्र की स्मृति से सफलता स्वरुप बनकर रहे ?

(5) विश्व से न्यारे और बाप के प्यारे बनकर रहे ?

(6) ईश्वरीय नशे की मस्ती में रहे ?

(7) हर कदम में पद्मों की कमाई जमा की ?

@ बापदादा (05/11/2014) :-

→_→ हर दीप बहुत स्नेही और दिल में समाने वाले हैं । चारों ओर की रोशनी कितनी दिल को लुभाने वाली है ।

(8) आज दिन भर बापदादा के स्नेही बन बापदादा के दिल में समाये रहे ?

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

● मनन चिंतन :-

√ मन बुद्धि की एकाग्रता का सर्व सिद्धियाँ प्राप्त करने में क्या योगदान होता है?

➢ एकाग्रता से बेहद के बाप से किये वायदे को पूरा कर निभाने में सहजता प्राप्त होती है।

➢ मन बुद्धि की एकाग्रता से सर्व समस्या को हल करने की रूहानि ताकत मिलती है।

➢ मन बुद्धि की एकाग्रता से संपर्क में आते सर्व से कल्याण की भावना रखते बाप समान सबके न्यारे व् प्यारे बन जाते है।

➢ मन बुद्धि की एकाग्रता से इस अनादि ड्रामा के खेल के हर द्रश्य में सदेव विजय का लक्ष्य रखते है।

➢ मन बुद्धि की एकाग्रता से पुरुषार्थ के प्रत्यक्ष फल स्वरुप व् सफलता स्वरुप बन स्वयम हर कार्य में सफल बन सर्व को इस प्रत्यक्ष फल के अधिकारी बना देते है।

ॐ शांति।